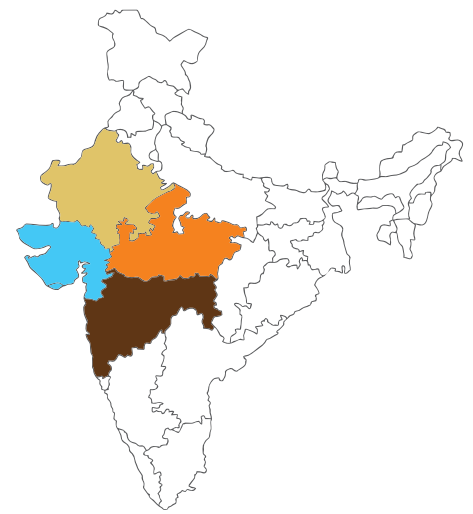


डायरेक्टर की कलम से....

सबके अंदर एक शांत, होनहार और मेहनती धीरुभाई अंबानी होता है लेकिन सबकी प्रतिभा समय से दुनिया के सामने आ जाये ये जरूरी नहीं है क्योंकि परिस्थितियां समान नहीं होती, ऐसे में हार मानने के बजाय हौंसला बनाये रखना जरूरी है। ज्यादातर भारतीय परिवारों में वित्तीय संकट बड़ी विडम्बना है लेकिन उससे भी बड़ी समस्या है उसे स्वीकार कर लेना। अगर ठान लिया जाये तो कुछ भी असंभव नहीं। बनना है मार्केट का गुरु तो प्रयास करें शुरू, परिणाम की चिंता किये बिना मेहनत करते जायें। एसआरजी परिवार का विज़न है सबके पास अपना आवास हो इसके लिए कम्पनी की ओर से लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। साथियों की कार्यकुशलता, लगन और कम्पनी की ग्रोथ रेट को देखते हुए 2022 तक 1000 करोड़ की लोन बुक का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

एसआरजी की पहुँच : शहर-शहर, गाँव-गाँव

एसआरजी हाऊसिंग फाईनेंस लिमिटेड ने शहरों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपने कार्य को मजबूती दी है। छोटे-छोटे गाँवों में रहने वाले लोगों के लिए घर बनाने, खरीदने या फिर बड़ा करने के लिए लोन मिलना पहले आसान नहीं था लेकिन जब से एसआरजी ने काम शुरू किया तब से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को अधिक लाभ हुआ है। अभी एसआरजी की राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में निम्न शाखाएं हैं –



एसआरजी कम्पनी का कॉर्पोरेट ऑफिस मुम्बई में और हेड ऑफिस उदयपुर में है। सभी शाखाओं में गृह ऋण से जुड़े विभिन्न ऋणों पर त्वरित गति से कार्य किया जाता है।

एसआरजी से मिला सहारा

जिसका पूरा जीवन कठिनाइयों में बीता हो उसके लिए सुख की कल्पना करना भी आसान नहीं होता लेकिन कहीं से आशा की किरण दिख जाये तो राह के कांटे भी फूल बन जाते हैं ऐसा ही कुछ हुआ मंदसौर के रहने वाले लोकेन्द्र मकवाना के साथ। पत्नी घर पर सिलाई और लोकेन्द्र मुम्बई में छोटा-मोटा काम करके जीवन गुजार रहे थे। दम्पती ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था की उनका भी घर होगा। जब कभी स्वयं के घर के बारे में विचार किया तो गरीबी की चादर ने पैर पीछे करवा दिये। एक दिन अखबार में एसआरजी के बारे में पढ़ा और वहां पूछताछ करने पर पता चला कि जमीन के बदले घर बनाने के लिए ऋण मिल जाता है। दम्पती ने समझ बूझ के साथ पूरी जानकारी प्राप्त की, कागजों में कुछ कमी थी जिसे एसआरजी के अधिकारियों ने साथ रहकर पूरा करवाया और जिम्मेदारी के साथ उन्हें होम लोन दिया जिससे उनका छोटा लेकिन खुशियों से भरा घर बन गया।



कम्पनी को दिल्ली में 47 वीं स्काॅच समिट में
भारत की टॉप 100 एसएमई का अवार्ड प्राप्त हुआ।

शून्य से
शिरवार तक



लेकसिटी की तंग गलियों के बीच परिवार में लाड प्यार से पली साधारण सी लेकिन प्रतिभावान गरिमा को एसआरजी से मिली वो पहचान जिसकी वो हकदार है। स्कूल के समय से ही पढ़ाई में होशियार गरिमा ने कम्पनी सेक्रेटरी एकजाम में ऑल इण्डिया में 14 वीं रैंक प्राप्त की लेकिन करियर बनाने में थोड़ी परेशानी थी क्योंकि सीएस की छोटे शहर में मांग ना बराबर थी। मार्केट में ग्राईंग बीएसई लिस्टेड कम्पनी एसआरजी के बारे में पता चला और इंटरव्यू दिया, कम्पनी ने हुनर को पहचानते हुए सीएस ट्रेनी के रूप में मौका दिया। गरिमा ने अपनी कार्यकुशलता को साबित किया और एसआरजी ने 2014 में प्रशिक्षु से कम्पनी सेक्रेटरी के रूप में नियुक्त किया। कम्पनी की कार्यप्रणाली ने और दूसरे साथियों ने काम में पूरा सहयोग किया जिससे प्रतिभा को निखरने का अवसर मिलता गया और नवाचार की बारिकियां सीखने मिली। आज इस बात की खुशी है कि इस इंडस्ट्री में एसआरजी यानि सीएस गरिमा के नाम से जाना जाता है। गरिमा का कहना है "हुनर सब के पास होता है लेकिन उसे दुनिया के सामने लाने के लिए एक मंच की जरूरत होती है जो मुझे एसआरजी के रूप में मिला। मैं ये कह सकती हूँ कि ये मेरी फर्स्ट, लास्ट एंड बेस्ट जॉब है।"



महान कार्य करने का एक ही तरीका है
जो आप कर रहे हैं उसे पसंद करें।



बीएसई द्वारा 2012-13 में एसएमई प्लेटफॉर्म
पर टॉप 3 परफॉर्मर का अवार्ड मिला।

साथियों का प्रदर्शन मील का पत्थर

- कम्पनी की फाईनेंशियल परफॉमेंस बेहतर होती जा रही है पिछले 5 वर्षों में कम्पनी ने औसत 60 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की है, जो अपने आप में बेहतरीन मुकाम है।
- कम्पनी का मुनाफा 31 मार्च 2017 में 2.71 करोड़ था जबकि 9 माह में दिसम्बर 2017 के अंत तक 5.98 करोड़ हो गया है।
- कम्पनी का लोन बुक 31 मार्च 2017 तक 81.83 करोड़ था जो दिसम्बर 2017 के अंत तक 155.07 करोड़ पहुँच गया है, जिसमें शहरी क्षेत्रों में 27.20 प्रतिशत के साथ 42.17 करोड़ जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 72.80 प्रतिशत के साथ 112.90 करोड़ की लोन बुक है।
- कम्पनी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल कर अपनी लोन प्रक्रिया को आसान और त्वरित करने के लिए प्रयासरत है।
- कम्पनी ने लिस्टिंग के बाद से अभी तक शेयर होल्डर्स को 1075 प्रतिशत की वृद्धि दी है।
- कम्पनी ने अपने प्रदर्शन के दम पर देश में टॉप 10 लिस्टेड हाऊसिंग फाईनेंस कम्पनी में अपना स्थान बना लिया है।
- 20 लोगों से शुरू हुई कम्पनी में लगातार साथियों की संख्या बढ़ रही है जो अभी 140 को पार कर गयी है।



**आपकी मेहनत और योगदान से
कम्पनी का चहुंमुखी विकास संभव हो पाया है।**

जब तक किसी काम को किया नहीं जाता तब तक ही वह असंभव लगता है।

Registered Office :

321, S.M. Lodha Complex,
Nr. Shastri Circle,
Udaipur (Raj.) - 313001

Corporate Office :

1046, 10th Floor, Hubtown Solaris,
N.S. Phadke Marg, Near East West Flyover,
Andheri (E), Mumbai

Phone : 0294-2561882, 2412609

E-mail : info@srghousing.com

Web : www.srghousing.com

TOLL FREE NO : 1800 1212 399